महिलाओं का विज्ञान, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के माध्यम से सशक्तिकरण

कई वर्षों से, महिलाओं ने विज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, फिर भी उनके काम को अकसर कम करके आंका जाता है। लैंगिक समानता में प्रगति के बावजूद, विज्ञान के क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी कम बनी हुई है। वर्ष 2020 में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं की भागीदारी कुल मात्रा का 9: है। इस से पता चलता है कि आज भी महिलाओं का प्रतिनिधि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काफी कम है। अपने देश की बेटियों को पूर्ण रूप से इस क्षेत्र में आगे लाने के उद्देश्य को अपना लक्ष्य बना कर क्वींस कार्मल स्कूल कन्या शिक्षा की दिशा में निरंतर कार्यरत है। छात्राओं के चौमुखी विकास और आने वाले कल की चुनौतियों का सामना करने के लिए बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से तैयार करता है।

क्वीन्स कार्मेल स्कूल, 21वीं सदी की हर बेहतर शिक्षा प्रणाली का प्रयोग अपनी शिक्षा पद्धति में करता है। जिले एक मात्र छात्राओं के लिए समर्पित

स्कूल, क्वींस कार्मल छात्राओं को प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा और स्टेमिना के द्वार आने वाले उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार कर रहा हैं।

हमारा इतिहास कई महान महिला वैज्ञानिक से सुसज्जित है, जिन्होंने रूढ़िवाद जंजीरों को तोड़कर भावी भविष्य के लिए एक उदाहरण स्थापित किया। हमारा विद्यालय भी पूरी निष्ठा से छात्राओं का चहुंमुखी विकास कर उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। हम मानते हैं कि सभी छात्राओं में भरपूर क्षमता होती है, जरूरत है बस उसे प्रोत्साहित करने और निखारने की। पूरी दुनिया 11 फरवरी विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं के योगदान को सम्मान करने के लिए मनाती है। क्वींस कार्मल स्कूल उन सभी महिला वैज्ञानिकों का वंदन कर उन्हें शुभकामनाएं देता है।

हाल ही में हमारे देश की 750 बालिकाओं ने मिल कर आजादी सैट सैटेलाइट बनाई है जो हाल ही में अंतरिक्ष में छोड़ी गई। हम सब को बालिका शिक्षा की दिशा में अपना पूर्ण योगदान देना चाहिए। हमें एक समावेश और सहायक वातावरण बनाने की दिशा में काम करना जारी रखना चाहिए जो लड़कियों और महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में आगे बनाने के लिए प्रोत्साहित करे।

ऐसा करके, हम यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि वैज्ञानिकों और अन्वेषकों की अगली पीढ़ी विविधता पूर्ण हो और सभी लोगों के हितों और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हो।